# नवल टाइम्स

RNI No. UTTHIN/2012/42590

भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

वर्ष : 14 अंकः 23 हिन्दी साप्ताहिक हरिद्वार, बृहस्पतिवार 26 जून 2025 मूल्यः 1 रूपया पृष्ठः 4


# आज का युवा उस अंधकारमय कालखंड से अनभिज्ञ नहीं रह सकता : उपराष्ट्रपति

- आपातकाल के दौरान देश की सर्वोच्च अदालत की भूमिका धूमिल हो गई ,नौ उच्च न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया गया : उपराष्ट्रपति
- शैक्षणिक संस्थान विचार और नवाचार के स्वाभाविक,जैविक प्रयोगशाला हैं : उपराष्ट्रपति
- विश्वविद्यालयों का दायित्व युवाओं को केवल शिक्षित करना नहीं,बल्कि उन्हें प्रेरित,प्रशिक्षित और उत्तरदायी नागरिक के रूप में तैयार करना भी है : राज्यपाल

**नैनीताल( नवल टाइम्स )।** कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखण्ड में स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा,एक लाख चालीस हजार लोगों को जेलों में डाल दिया गया। उन्हें न्याय प्रणाली तक कोई पहुँच नहीं मिली। वे अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं कर सके। नौ उच्च न्यायालयों ने साहस दिखाया और कहा–आपातकाल हो या न हो–मौलिक अधिकार स्थगित नहीं किए जा सकते। हर नागरिक के पास न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए अपने अधिकारों को प्राप्त करने का अधिकार है। दुर्भाग्यवश,सर्वोच्च न्यायालय–देश की सर्वोच्च अदालत–धूमिल हो गई। उसने नौ उच्च न्यायालयों के निर्णयों को पलट दिया। उसने दो बातें तय की–आपातकाल की घोषणा कार्यपालिका का निर्णय है,यह न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है। और यह भी कि आपातकाल की अवधि भी कार्यपालिका ही तय करेगी। साथ ही,नागरिकों के पास आपातकाल के दौरान कोई मौलिक अधिकार नहीं होंगे। यह जनता के लिए एक बड़ा झटका था।

'संविधान हत्या दिवस'के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि,युवाओं को इस पर चिंतन करना चाहिए क्योंकि जब तक वे इसके बारे में जानेंगे नहीं,समझेंगे नहीं। क्या हुआ था प्रेस के साथकिन लोगों को जेल में डाला गयावे बाद में इस देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बने। यही कारण है कि युवाओं को जागरूक बनाना जरूरी है,आप लोकतंत्र और शासन व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण भागीदार हैं। आप इस बात को भूल नहीं सकते और न ही इस अंधकारमय कालखंड से अनभिज्ञ रह सकते हैं।

बहुत सोच–समझकर,आज की सरकार ने तय किया कि इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस'के रूप में मनाया जाएगा। यह एक ऐसा उत्सव होगा जो सुनिश्चित करेगा कि ऐसा फिर कभी न हो। यह उन दोषियों की पहचान का भी अवसर होगा जिन्होंने मानवीय अधिकारों,संविधान की आत्मा और भाव को कुचला। वे कौन थेउन्होंने ऐसा क्यों कियाऔर सर्वोच्च न्यायालय में भी,मेरे मित्र सहमत होंगे,एक न्यायाधीश–एच.आर.खन्ना–ने असहमति जताई थी और अमेरिका के एक प्रमुख समाचार पत्र ने टिप्पणी की थी कि जब भारत में फिर से लोकतंत्र लौटेगा,तो एच.आर.खन्ना के लिए अवश्य एक स्मारक बनेगा जिन्होंने अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया।

परिसर आधारित शिक्षा की भूमिका पर जोर देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि,शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्रियाँ या प्रमाणपत्र प्राप्त करने के स्थान नहीं हैं। अन्यथा वर्चुअल लर्निंग और परिसर आधारित लर्निंग में अंतर क्यों होताआप जानते हैं,आपके साथियों के साथ बिताया गया समय आपके सोचने के तरीके को परिभाषित करता है। ये स्थान वह परिवर्तन उत्पन्न करने के लिए हैं जिसकी आवश्यकता है,जो परिवर्तन आप चाहते हैं,जो राष्ट्र आप चाहते हैं। ये विचार और नवाचार के स्वाभाविक जैविक स्थल हैं। विचार आते हैं,लेकिन विचारों पर विचार होना भी जरूरी है। अगर कोई विचार

असफलता के डर से आता है,तो आप उसमें नवाचार या प्रयोग नहीं करते। तब हमारी प्रगति रुक जाती है। ये वे स्थान हैं जहाँ दुनिया हमारे युवाओं से ईर्ष्या करती है–उनके पास न केवल अपना भविष्य गढ़ने का अवसर है,बल्कि भारत की नियति गढ़ने का भी। और इसलिए,कृपया आगे बढ़िए। एक कॉर्पोरेट उत्पाद की टैगलाइन है जिसे आप जानते होंगे–'Just do it'। क्या मैं सही हूँमैं उसमें एक और जोड़ना चाहूँगा–'Do it now'।

पूर्व छात्रों और उनके योगदान के महत्त्व को रेखांकित करते हुए श्री धनखड़ ने कहा,पिछले 50 वर्षों में आपके पास बड़ी संख्या में पूर्व छात्र हैं,किसी संस्थान के पूर्व छात्र उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण घटक होते हैं। आप सोशल मीडिया या गूगल पर देखिए–कई विकसित देशों के संस्थानों के पास 10अरब डॉलर से अधिक का पूर्व छात्र फंड है। किसी के पास तो 50 अरब डॉलर से अधिक का भी है। यह कोई एक बार में नहीं आता,यह बूंद–बूंद से जमा होता है। मैं उदाहरण दूँ–यदि इस महान संस्थान के 1,00,000 पूर्व छात्र हर साल केवल 10,000 का योगदान करें, तो सालाना राशि 100 करोड़ रुपये होगी और सोचिए अगर यह हर साल होता रहे,तो आपको कहीं और देखने की आवश्यकता नहीं होगी। आप आत्मनिर्भर होंगे। यह आपको संतोष देगा। साथ ही,पूर्व छात्र अपने अल्मा मेटर से जुड़ सकेंगे। वे आपको मार्गदर्शन देंगे–वो आपको संभालेंगे। इसलिए मैं आग्रह करता हूँ कि देवभूमि से पूर्व छात्र संघ की शुरुआत हो।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि)ने कुमाऊँ विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बीते पचास वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की है,बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक ज्ञान की रोशनी पहुँचाने का भी कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड के युवाओं को नवाचार, अनुसंधान और नेतृत्व के लिए निरंतर प्रेरित करता रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत एक युवा देश है और इसकी 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इस जनसांख्यिकीय लाभ को तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,रोजगारपरक कौशल,उद्यमशीलता और सामाजिक चेतना से युक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वैश्विक क्षितिज की ओर अग्रसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षित करना नहीं,बल्कि युवाओं को प्रेरित, प्रशिक्षित और उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करना भी है।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका राष्ट्र निर्माण में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। वे केवल ज्ञान नहीं देते,बल्कि व्यक्तित्व गढ़ते हैं,नेतृत्व को जन्म देते हैं और विचारों में संस्कारों का सिंचन करते हैं। शिक्षकों का कार्य केवल पाठ्यक्रम की पूर्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए,बल्कि उन्हें शोध और अध्यापन दोनों में दक्ष होना चाहिए, तकनीक का समुचित उपयोग करना चाहिए, विद्यार्थियों को मूल्य आधारित विचारधारा से जोड़ना चाहिए और उनमें 'राष्ट्र प्रथम'की भावना उत्पन्न करनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक समुदाय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह स्वर्ण जयंती के वल उत्सव नहीं,बल्कि आत्ममंथन,संकल्प और पुनर्निर्माण का अवसर है।

कार्यक्रम से पूर्व उप राष्ट्रपति ने कार्यक्रम स्थल हरमिटेज भवन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अपने पूज्य पिता एवं माता जी के नाम पर दो पौधे रोपे गए। इस मौके पर उच्च शिक्षा,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ.धन सिंह रावत,विधायक नैनीताल सरिता आर्या,विधायक भीमताल राम सिंह कैड़ा,पूर्व सांसद डॉ.महेन्द्र पाल,आयुक्त कुमाऊँ मंडल दीपक रावत,पुलिस महानिरीक्षक रिद्धिम अग्रवाल,जिलाधिकारी वंदना,कुलपति कुमाऊँ विश्वविद्यालय दीवान सिंह रावत,उत्तराखण्ड ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी, जी.बी.पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.मनमोहन सिंह चौहान सहित अन्य उपस्थित रहे।

# अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तराखंड की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक हुई संपन्न

**देहरादून( नवल टाइम्स )।** अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तराखंड की प्रांतीय कार्यकारिणी के संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष सजंय बिजल्वाण की अध्यक्षता में इंटरमीडिएट कॉलेज बालावाला देहरादून में बैठक सम्पन्न हुई । बैठक में अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय सरंक्षक प्रदीप डबराल एवँ सत्यपाल सिंह नेगी ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक शिक्षिकाओं को संगठन से जुड़ना चाहिए और संगठन के प्रति समर्पित होना चाहिए साथ ही दोनों सरंक्षकों ने भविष्य की चुनौतियों से भी उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं को आगाह किया और कहा कि इनका समाधान संगठन के माध्यम से ही सम्भव है । प्रान्तीय अध्यक्ष संजय बिजल्वाण एवँ प्रान्तीय महामंत्री महादेव मैठाणी ने कहा कि अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ निरंतर शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास कर रहा है जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं गोल्डन कार्ड का लाभ मिलना शुरू हो गया है कुछ जनपदों में इसमें कुछ अड़चने आ रही हैं उनका भी शीघ्र समाधान करवाया दिया जाएगा । एन पी एस धनराशि का वेतन से सीधे प्रान खातों में ट्रांसफर की कार्यवाही गतिमान है और बहुत ही शीघ्र शुरू हो जायेगी ।जो भी समस्याएं लंबित है उनपर बहुत ही शीघ्र शासन एवँ विभागीय अधिकारियों से वार्ता की जाएगी। बैठक में अशासकीय विद्यालयों में शिक्षक कर्मचारियों की भर्ती पर लगी हुई रोक को अविलंब हटाने 2005 से पूर्व विज्ञप्ति के आधार पर कार्यरत शिक्षकों को पुरानी पेंशन में सम्मिलित करने, डाउन ग्रेड प्रधानाचार्यों को राजकीय की भांति ढ़ाई वर्ष में पूर्ण स्केल देने, वर्ष 2014 के बाद नियुक्त शिक्षकों को सामूहिक वीमा का लाभ प्रदान

करने ,तदर्थ पी टी ए शिक्षकों का विनियमितीकरण करने,मानदेय प्राप्त पी टी ए शिक्षकों को तदर्थ नियुक्ति प्रदान करने, प्रबन्धकीय व्यवस्था पर कार्यरत पी टी ए शिक्षकों को मानदेय की श्रेणी में सम्मिलित करने , माध्यमिक विद्यालयों की भाँति जूनियर हाईस्कूलों में कार्यरत प्रबन्धकीय व्यवस्था पर कार्यरत पी टी ए शिक्षकों को मानदेय प्रदान करने,वित्त विहीन की अनुमोदित सेवाओं का लाभ चयन एवँ प्रोन्नत सेवाओं में जोड़ने ,राजकीय की भाँति अशासकीय विद्यालयों, शिक्षकों एवँ छात्रों को भी समग्र शिक्षा से सभी लाभ प्रदान करने , विद्यालय बंद होने पर शिक्षक कर्मचारियों के समायोजन जनपद के साथ ही प्रान्त स्तर पर करने एवँ इसमें सम्बंधित विद्यालय की प्रबन्धसमिति की सहमति की व्यवस्था समाप्त करने , स्वत: सत्रांत लाभ की व्यवस्था बहाल करने की माँगें रखी गई। बैठक को अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तराखंड केप्रान्तीय उपाध्यक्ष डॉक्टर योगेश जोशी, दीपक मिश्रा ,प्रान्तीय मंत्री कपूर सिंह पंवार, नीरज वर्मा, सुनील धस्माना, महावीर भट्ट, मंडलीय अध्यक्ष शिव सिंह रावत, उपाध्यक्ष आर डी सिंह, जिलाध्यक्ष देहरादून अनिल नौटियाल, जिलाध्यक्ष, रुद्र प्रयाग बलवीर सिंह रौथाण, जिलाध्यक्ष, टिहरी गढ़वाल विनोद बिजल्वाण, ज़िला उपाध्यक्ष पौड़ी गढ़वाल हेमंत रावत,ज़िला कोषाध्यक्ष चमोली गौरव पुरोहित, सिद्धार्थ कोटनाला, सोनाली रावत, कल्पना सेमवालआदि ने संबोधित किया । बैठक में प्रान्तीय कोषाध्यक्ष मनमोहन सिंह नेगी , ललित मोहन सकलानी सरंक्षक आर सी शर्मा, दिनेश डोबरियाल , धनंजय उनियाल,विजय भट्ट,गिरीश सेमवाल, यमुना नौटियाल, चंद्र भानु सेमवाल ,संजीव जोशी ,नरेंद्र सिंह रावत , आदि बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे ।

# सम्पादकीय

## स्थाई वैश्विक शांति एक दूर का लक्ष्य

भारत पाकिस्तान तनाव, चीन ताइवान, कोरिया तथा ऐसे ही अन्य विवाद एक ऐसी कठोर वास्तविकता की ओर इंगित करते हैं जहाँ स्थाई वैश्विक शांति एक दूर का, अस्पष्ट सा लगने वाला लक्ष्य प्रतीत होता है। वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य की जटिलताओं और उसके सामूहिक प्रयासों से वैश्विक शांति की ओर बढ़ने की चुनौतियों पर विचार और गंभीर काम करना अत्यंत प्रासंगिक है। इक्कीसवीं सदी के इस तीसरे दशक में दुनियां एक विडंबनापूर्ण वास्तविकता के समक्ष आ खडी हुई है। ऐसा युग जहाँ अंतर्संबंध और तकनीकी प्रगति की अभूतपूर्व ऊँचाइयों के बावजूद, युद्ध और संघर्ष पहले से कहीं अधिक व्यापक हैं। रूस यूक्रेन में चार साल से युद्ध, इजराइल और फिलिस्तीन के बीच अत्यधिक हिंसक और जटिल संघर्ष, अफ्रीका के विभिन्न क्षेत्रों में जारी गृहयुद्ध, एशिया में तनावपूर्ण सीमा विवाद, और सीरिया, यमन जैसे देशों में अभी भी चल रहे संकट के बीच ईरान इजराइल युद्ध में अमेरिका की एंट्री से विश्व शांति पर प्रश्न चिन्ह लग गया है।

आज के युद्धों की प्रकृति पारंपरिक सीमाओं को लांघ चुकी है। वे केवल दो राष्ट्रों के बीच सीमित संघर्ष नहीं रहे। इनमें प्रॉक्सी युद्धों का बोलबाला है, जहाँ महाशक्तियाँ अन्य देशों या समूहों के माध्यम से अपने हित साधती हैं, जैसा सीरिया या यमन में देखा गया। असममित युद्ध तकनीक का प्रयोग बढ़ा है, जहाँ छोटे समूह या गैर-राज्य बड़ी सेनाओं के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध और आतंकवादी हमलों का सहारा लेते हैं। साइबर युद्ध एक नया और खतरनाक मोर्चा खोल चुका है, जिसमें बुनियादी ढांचे पर हमले, विघटनकारी प्रचार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा शामिल है। सूचना युद्ध, झूठी खबरों और प्रोपेगैंडा के माध्यम से जनमत को प्रभावित करने और विभाजित करने का प्रयास करता है। ये सभी पहलू युद्ध को और अधिक विनाशकारी, टिकाऊ और समाधान के लिए दुर्गम बना देते हैं। इन संघर्षों के मूल में अनेक जटिल और अक्सर गुंथे हुए कई कारण निहित हैं। भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, विशेष रूप से अमेरिका और चीन के बीच, तथा रूस की पश्चिम के साथ बढ़ती टकराहट, अंतरराष्ट्रीय तनाव का प्रमुख स्रोत है। ये प्रतिस्पर्धाएँ व्यापार, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए हैं, जो अक्सर अन्य देशों में संघर्षों को हवा देती हैं।

# प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित

**डॉ. अरुण मित्रा**

महाराष्ट्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय बेतुका, खतरनाक और शिक्षा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने कहा कि कक्षा एक से बच्चों को सैन्य प्रशिक्षण देने का विचार युवा शिक्षार्थियों में कम उम्र से ही देशभक्ति, अनुशासन और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। हालाँकि यह बच्चे की देखभाल के किसी भी पहलू पर लागू नहीं होता है। यह बाल विकास के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के विरुद्ध है।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस तरह से बच्चों के दिमाग को अनुशासित करना कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित इस अवधारणा पर आधारित है कि बच्चों पर सहज प्रेम बरसाने के बजाय उन्हें नियंत्रित, अलग-थलग और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस कम उम्र में उन्हें सैन्य प्रशिक्षण में धकेलना अनुशासन के नाम पर उनके दिमाग में बैरक जैसे विचार भरना है।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. परम सैनी के अनुसार %ये विचार 18वीं और 19वीं सदी के सामाजिक मानदंडों से प्रभावित थे जिन्हें अब काफी पुराना माना जायेगा। आधुनिक पालन-पोषण स्नेह, गर्मजोशी, पोषण, सहानुभूति, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित लगाव आदि को महत्व देता हैऔर इन्हें अब स्वस्थ भावनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक माना जाता है। माता-पिता और परिवार द्वारा इन्हें प्रदान किया जाना चाहिए और स्कूलों में शिक्षकों द्वारा सुदृढ़ किया जाना चाहिए। बच्चों को एक-दूसरे के साथ घुलने-मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथियों के साथ खेलना, चर्चा करना, बहस करना हमेशा विकास का एक स्वस्थ संकेत है। यही कारण है कि हम कई बार देखते हैं कि बच्चे एक-दूसरे से झगड़ते हैं लेकिन जल्द ही दोस्त बन जाते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का विकास करना है जो तर्कसंगत रूप से सोच सके और घटनाओं का विश्लेषण कर सके। उसे समाज, परिवार और राज्य द्वारा बतायी गयी बातों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। बच्चे का दिमाग खाली होता है और उसे सकारात्मक मूल्यों से भरना होता है। इस छोटी उम्र में सैन्य जैसा अनुशासन लागू करने का विचार ही बच्चों में रचनात्मक विचारों, तर्कसंगत सोच और जिज्ञासा को नष्ट कर देगा। सैन्य कर्मियों द्वारा छोटी उम्र में बच्चों को अनुशासित करने से उनकी रचनात्मकता अवरुद्ध हो जायेगी और वे आज्ञाकारी अधीनस्थ की तरह सोचने लगेंगे।

इस उम्र में कोमल मन कई प्रश्नों से भरा होता है जिनका उत्तर उसके व्यक्तित्व के विकास के लिए दिया जाना चाहिए। बच्चे द्वारा उठाये गये किसी भी प्रश्न को अनदेखा करने से विकासशील मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चूंकि बच्चे के लिए आस-पास की बहुत सी चीजें या घटनाएं बहुत नयीहोती हैं, इसलिए उसे सवाल पूछने और संदेहों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चे को प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना, उसका संरक्षण और संवर्धन करना, प्रकृति के उत्पादों के साथ खेलना सिखाना चाहिए। जिज्ञासा को शांत करना और तर्कसंगत विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है। स्कूली छात्रों के प्रारंभिक वर्षों के लिए दुनिया भर में कई शिक्षा कार्यक्रम पहले से ही तैयार किये गये हैं। मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते हैं, बच्चे के व्यवहार के लिए जोखिम भरा होगा। बच्चे कल्पनाओं और एक काल्पनिक दुनिया में रहते हैं। धीरे-धीरे वे वास्तविक दुनिया के मामलों के बारे में सीखते हैं। सैन्य प्रशिक्षण के तहत वे काल्पनिक दुश्मन के विचारों के साथ रहते हैं और कैसे उन्हें पराजित करें या मारें इसकी योजना बनाते हैं। ऐसे बच्चे अपने साथियों के प्रति भी हिंसक चरित्र विकसित कर सकते हैं।

कुछ दशक पहले बच्चे जानवरों, पेड़ों, पहाड़ों आदि जैसे प्रकृति पर आधारित खिलौनों से खेलते थे। पुराने खेल बच्चों को बंदूक संस्कृति से दूर रखती थीं। परन्तु आजकल के खिलौने, यहां तक कि होली खेलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग भी बंदूक की तरह काम करते हैं।वीडियो गेम जिसमें बच्चे गोली चलाना और मारना सीखते हैं, खतरनाक भूमिका निभा रहे हैं। इससे समाज में हिंसा में वृद्धि हुई है। अमेरिका में जहां बंदूकें खुलेआम उपलब्ध हैं, वहां स्कूली बच्चों द्वारा गोली चलाने के कई मामले देखने को मिलते हैं। शिक्षा का उद्देश्य बच्चे को मौलिक विचार, तर्क, विवेक और अवलोकन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस तरह बच्चा अपना व्यक्तित्व विकसित करता है। कम उम्र में सैन्य प्रशिक्षण इन सबमें बाधा डालेगा। हालांकि यह शासक वर्ग के उद्देश्य को पूरा कर सकता है ताकि बच्चे में घृणा, हिंसा और बदले की भावना से भरा एक विशिष्ट मन विकसित हो सके। हमारे वर्तमान समाज में जहां पहले से ही सांप्रदायिक घृणा, जाति और लिंग पूर्वाग्रह को हाल के वर्षों में बढ़ावा दिया गया है, बच्चे की ऐसी मानसिकता सामाजिक सद्भाव को और खराब करेगी। दुनिया भर में चल रहे युद्धों के संदर्भ में बच्चों में प्रेम, देखभाल, सहानुभूति और सामूहिकता के विचारों को विकसित करना और भी महत्वपूर्ण है।

# ट्रंप ने भारत को नज़रअंदाज़ करते हुए फिर लिया पाकिस्तान का पक्ष

**कल्याणी शंकर**

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को शाम 5 बजे हुए युद्ध विराम को सुगम बनाने में संयुक्त राज्य अमेरिका की भागीदारी के बारे में चर्चा अभी चल ही रही है, जो चार दिनों के सीमित मिसाइल युद्ध के बाद हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दोनों देशों की परमाणु क्षमताओं को रेखांकित करते हुएदावा किया, मैंने युद्ध रोक दिया। इसके विपरीत, भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि भारत ने बाहरी सहायता नहीं मांगी, तथा युद्ध विराम भारतीय और पाकिस्तानी सैन्य बलों के बीच सीधी बातचीत के माध्यम से हुआ था। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधान मंत्री मोदी दोनों ने हाल के दिनों में अपने-अपने दावों को दोहराया। परिणामस्वरूप, यह सवाल कि कौन सही है, व्याख्या के लिए खुला है, क्योंकि दोनों पक्ष अपने दावों के लिए वैध सहायक साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं। तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की अनुपस्थिति के बारे में मोदी द्वारा ट्रम्प को दिये गये संचार के बावजूद यह चल रही असहमति बनी हुई है। फिर भी, ट्रम्प युद्ध विराम में संयुक्त राज्य अमेरिका की भागीदारी की वकालत करना जारी रखते हैं।

इस सप्ताह एक कॉल के दौरान, मोदी ने ट्रम्प को बताया कि युद्ध विराम दोनों सेनाओं के बीच चर्चा के माध्यम से हुआ था, न कि अमेरिकी मध्यस्थता के माध्यम से, जैसा कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था। उधर ट्रम्प ने युद्ध विराम पर सहमत होने के लिए दोनों देशों की प्रशंसा की।

अमेरिकी भागीदारी की प्रकृति अनिश्चितता में डूबी हुई है। ट्रम्प की घोषणा के लगभग तीस मिनट बाद, भारत के विदेश सचिव ने बताया कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया था। वे सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए सहमत हुए, लेकिन स्पष्ट रूप से, संयुक्त राज्य अमेरिका का उल्लेख नहीं किया गया। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधान मंत्री, शहबाज शरीफ ने युद्ध विराम को सुविधाजनक बनाने में उनके नेतृत्व और सक्रिय भूमिका के लिए ट्रम्प का आभार व्यक्त किया। बीते सप्ताह ह्वाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के लिए लंच की मेज़बानी करते हुए ट्रंप ने फिर दावा किया कि इस लंचका उद्देश्य युद्ध में न जाने के लिए उनका धन्यवाद करना और देश के साथ संभावित अमेरिकी व्यापार समझौते पर चर्चा करना था। उन्होंने यह भी दावा किया कि कैसे उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में संभावित परमाणु युद्ध को रोकने के लिए व्यापार सौदों का इस्तेमाल किया। ट्रंप ने पिछले महीने पत्रकारों से कहा- मैंने कहा, चलो, हम आप लोगों भारत और पाकिस्तान के साथ बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। चलो इसे रोकते हैं। चलो इसे रोकते हैं। अगर आप इसे रोकते हैं, तो हम व्यापार करेंगे। अगर आप इसे नहीं रोकते हैं, तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। यह दोनों पक्षों को दिखाया गया लालच था। जब उनसे पूछा गया कि जनरल मुनीर के साथ अपनी बैठक से उन्हें क्या हासिल होने की उम्मीद है, तो उन्होंने कहा, जनरल मुनीर पाकिस्तान की ओर से संघर्ष को रोकने में बेहद प्रभावशाली थे, जबकि मोदी ने इसे भारतीय पक्ष से संभाला। ह्वाइट हाउस लंच मीटिंग ने यू.एस.-पाकिस्तान संबंधों को एक महत्वपूर्ण आयाम दिया, जो ट्रम्प प्रशासन और उसके पूर्ववर्ती, बाइडेन प्रशासन के तहत प्रभावित हुआ था और चीन का मुकाबला करने के प्रयासों के तहत भारत को लुभाया था। ह्वाइट हाउस में ट्रम्प के साथ लंच के बाद पाकिस्तान के फील्ड मार्शल ने ट्रम्प के लिए नोबेल पुरस्कार का सुझाव दिया।

# जेनेवा में शांति वार्ता के साथ-साथ चीन का चार सूत्री प्रस्ताव भी एजेंडे में

**नित्य चक्रवर्ती**

शुक्रवार 20 जून 2025 को आठवें दिन में प्रवेश कर चुके इजरायल-ईरान युद्ध में पिछले 24 घंटों में कुछ बड़े घटनाक्रम देखने को मिले, जिससे ईरान, खासकर तेहरान, को नष्ट करने के तेल अवीव के निराशोन्मत्तप्रयास को झटका लगा। चीनी राष्ट्रपति शीजिनपिंग ने युद्ध से निपटने की संयुक्त रणनीति पर गुरुवार देर रात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। उन्होंने इजरायली हमले की अब तक की सबसे कड़ी निंदा की और राष्ट्रपति ट्रम्प से ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में इजरायल का साथ न देने को कहा। चीन ने ईरान के परमाणु ऊर्जा मुद्दे को हल करने के लिए तत्काल युद्ध विराम और बातचीत शुरू करने के लिए चार सूत्री फॉर्मूला का भी सुझाव दिया।

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री ने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के विदेश मंत्रियों की शुक्रवार को जेनेवा में वार्ता करने की पेशकश पर अनुकूल प्रतिक्रिया दी। तदनुसार वार्ता हो रही है। कूटनीतिक कदम आखिरकार शुरू हो गये हैं। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के अपने फैसले को भी दो सप्ताह के लिए टाल दिया है। इससे पहले, राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों ने संकेत दिया था कि ट्रंप इस रविवार तक युद्ध में शामिल होने के बारे में फैसला ले लेंगे।जब बुधवार को ही वे ईरानी धर्मगुरु अयातुल्ला अली खुमैनी के आत्मसमर्पण की बात कर रहे थे, तो दो सप्ताह का मौका देने के ट्रंप के ताजा रुख में अचानक यह बदलाव क्यों आया? इजरायल के खिलाफ चीन रूस के संयुक्त रुख और उस देश का समर्थन करने वाले युद्ध में अमेरिका की भागीदारी के अलावा, अन्य कठोर सैन्य कारक भी सामने आये, जो यह संकेत देते हैं कि ईरान अब बिखर सकता है, लेकिन उसके पास कई उच्च तकनीक वाली मिसाइलों से जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता है, जिनका ईरानी सेना ने अभी तक इस्तेमाल नहीं किया है। इसके अलावा, पेंटागन को चिंता है कि अगर युद्ध जारी रहा तो ईरान को चीन और रूस से और अधिक अत्याधुनिक हथियार मिलेंगे।

लंदन स्थित द गार्जियन के नवीनतम विश्लेषण से पता चलता है कि ईरानी मिसाइलों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इजरायल के इंटरसेप्टर खत्म हो रहे हैं और अगर युद्ध जारी रहा तो ईरान के पास मौजूद बैलिस्टिक मिसाइलों से निपटने के लिए तेल अवीव के पास अपेक्षित उच्च क्षमता वाले इंटरसेप्टर कम पड़ जायेंगे। सूत्रों का कहना है कि जब तक अमेरिका इसमें शामिल नहीं होता, इजरायल अकेले इस युद्ध को नहीं जीत सकता। इसलिए नेतन्याहूट्रंप से तुरंत अपना फैसला लेने और युद्ध में शामिल होने का अनुरोध कर रहे हैं। दोनों नेताओं का उद्देश्य एक ही है, लेकिन रणनीति पर दोनों अलग-अलग हैं। ट्रंप को अपने मगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थन आधार के बीच असंतोष और चीन और रूस द्वारा अपनायी गयी मजबूत स्थिति का भी ध्यान रखना होगा। ट्रंप ने यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की कि राष्ट्रपतिशीऔर राष्ट्रपति पुतिन दोनों को इस इजरायल-ईरान युद्ध से दूर रखा जाये क्योंकि दोनों ही उनके साथ सौदा करने की प्रक्रिया में थे। लेकिन अब वे इस बात से परेशान हैं कि राष्ट्रपति शीउनकी मध्य पूर्व नीति को खुले तौर पर चुनौती दे रहे हैं और एक वैकल्पिक प्रस्ताव पेश कर रहे हैं। राष्ट्रपति शी ने चार सूत्री प्रस्ताव रखा कि युद्ध विराम को तत्काल प्राथमिकता दी जानी चाहिए, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, संवाद और बातचीत मूलभूत समाधान हैं, तथा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के शांति स्थापना के प्रयास अपरिहार्य हैं। यह सूत्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी चर्चाओं के आधार पर था।

चीनी और रूसी नेताओं के बीच पदों का समन्वय न केवल दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग की गहराई को दर्शाता है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को एक स्पष्ट संदेश भी भेजता है। वह है तनाव कम करने और क्षेत्रीय शांति की रक्षा करने का आह्वान। शुक्रवार को ग्लोबल टाइम्स के संपादकीय द्वारा व्यक्त आधिकारिक चीनी दृष्टिकोण के अनुसार, इजरायल पर विशेष प्रभाव वाली एक प्रमुख शक्ति के रूप में, अमेरिका ने कोई रचनात्मक भूमिका नहीं निभायी है। इसके बजाय, इसने आग को हवा देना जारी रखा है, यहां तक कि सीधे शामिल होने की इच्छा का संकेत भी दिया है, जो संकट के लिए एक नरम लैंडिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की अपेक्षाओं को गंभीर रूप से कमजोर करता है।

संघर्ष अब उस बिंदु पर पहुंच गया है जहां कुछ भी खारिज नहीं किया जा सकता है, अवसर की खिड़की बेहद संकीर्ण है। जैसा कि ग्लोबल टाइम्स इसे देखता है, चार सूत्री प्रस्ताव अत्यधिक लक्षित है और वर्तमान मुद्दों के मूल को संबोधित करता है। उदाहरण के लिए, यह संघर्ष में शामिल पक्षों, विशेष रूप से इज़राइल से, जितनी जल्दी हो सके सैन्य अभियान रोकने, निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने, ईरानी परमाणु मुद्दे के राजनीतिक समाधान का दृढ़ता से समर्थन करने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से प्रमुख देशों से, जिनका संघर्ष में शामिल पक्षों पर विशेष प्रभाव है, स्थिति को शांत करने के प्रयास करने का आग्रह करता है। ये सभी प्रमुख बिंदु हैं जहां वर्तमान परिस्थितियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो सकते हैं। चीन की स्थिति महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि चीन के पास इजरायली मिसाइलों का मुकाबला करने के लिए उच्च तकनीक वाली रडार प्रणाली और वायु रक्षा तंत्र के साथ ईरान की मदद करने की तकनीक है।

# सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने जिला कार्यालय सभागार में की जनसुनवाई

❍ 47 व्यक्तियों द्वारा दर्ज कराई गई अपनी-अपनी समस्याएं ❍ अधिकांश समस्याओं का किया मौके पर ही निस्तारण

**हरिद्वार (नवल टाइम्स)।** जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के क्रम में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने जिला कार्यलय सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में जन सुनवाई की। जन सुनवाई में 47 व्यक्तियों द्वारा भूमि, अतिक्रमण और जल निकास आदि से सम्बन्धित समस्याएं एवं मांग दर्ज कराई गई। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रत्येक फरियादी की बात को शालीनता से सुनकर अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जिन समस्याओं का मौके पर समाधान नहीं हो पाया है, उन्हें सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को प्रेषित किया जा रहा है ताकि संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का समाधान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और त्वरित निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि एल 1 और एल 2 स्तर के अधिकारी के पास जितनी भी लंबित समस्याए है उनका प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु फरियादियों से भी निरंतर वार्ता करना सुनिश्चित करें। जिन अधिकारियों ने वार्ता नहीं की है उनका नाम भी प्रदर्शित करे ताकि उनपर करवाई कि जा सके। प्रमुख समस्याओं में प्रदीप कुमार ने सरकारी नाले पर अतिक्रमण की पक्का निर्माण हटाने के सम्बन्ध में, प्रमोद कुमार ने चकबानी त्रुटी के संबंध में, प्रवीण यादव ने भूमि पैमाईश के सम्बन्ध में, कृष्ण कुमार ने रकबा पैमाईश कर कब्जा मुक्त करने के संबंध में जाकिर ग्राम ईक्कड़ निवासी द्वारा ग्राम भगतनपुर आबिदपुर से सरकारी चकरोड से अवैध निर्माण हटवाने को लेकर, राजकुमार चैहान, अशोक चैहान ने कृपाल नगर से शांतिनगर का रास्ता बनवाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया, पार्वती देवी ने टिहरी भागीरथी नगर से ऐथल की सीमा पर स्थित नाले पर हुए अतिक्रमण को खुलवाने के संबंध में, ईश्वर चंद सैनी ने लक्सर ब्लॉक में दुर्गापुर गांव में आबादी के निकट तालाब में मगरमच्छ को पकड़ने के शिकायत की। बैठक में अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, एसीपी सदर जितेन्द्र चैधरी, मुख्य शिक्षा अधिकारी के के गुप्ता, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ-आर के सिंह, परियोजना निर्देशक के एन तिवारी,जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, जिला पूर्ति अधिकारी तेजबल सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नलिनी ध्यानी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

## मां कामाख्या देवी भक्तों का कल्याण करती है : श्रीमहंत रविंद्रपुरी

**हरिद्वार।** अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज, निरंजनी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी, आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी ने असम के गुहावटी स्थित मां कामख्या देवी मंदिर में राष्ट्र की एकता अखंडता कायम रखने हेतु विशेष अनुष्ठान किया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि 51 शक्तिपीठों में एक मां कामाख्या देवी मंदिर में मां भगवती साक्षात रूप से विराजमान हैं और भक्तों का कल्याण करती हैं। मां कामाख्या देवी मंदिर तंत्र साधना का भी प्रमुख केंद्र हैं। प्रतिवर्ष मंदिर में मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु मां कामाख्या के दर्शन पूजन के लिए आते हैं। मां भगवती की कृपा से श्रद्धालु भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज एवं आनन्द पीठाधीश्वर स्वामी बालकानंद गिरी ने बताया कि मां कामाख्या देवी की शक्ति से बड़ी कोई शक्ति नहीं है। महाशक्ति का अवतार मां कामाख्या देवी साक्षात शक्ति स्वरूपा हैं। तमाम तंत्र साधक कामाख्या देवी मंदिर में तंत्र साधना के लिए आते हैं। मां कामाख्या देवी भक्तों को सुख समृद्धि और आरोग्य प्रदान करती हैं।

# केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने भारतीय संरक्षण सम्मेलन का किया उद्घाटन

❍ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध : केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव

❍ 2014 में भारत में 47 बाघ अभयारण्य थे जिनकी आज संख्या 58 हैं, 2014 भारत में रामसर साइट्स की संख्या 25 थी और आज भारत में 91 रामसर स्थल हैं

❍ संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और उनका वैज्ञानिक उपयोग आज की जरूरत है : भूपेंद्र यादव

**देहरादून( नवल टाइम्स )।** भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने भारतीय संरक्षण सम्मेलन (ICCON 2025) का उद्घाटन किया। सम्मेलन आज से शुरू हुआ और 27 जून को समाप्त होगा। सम्मेलन में देश भर से सैकड़ों छात्र, शोधकर्ता, वन अधिकारी और संरक्षण पेशेवर शामिल हुए।

सम्मेलन की शुरुआत आईसीसीओएन 2025 के आयोजन सचिव और वैज्ञानिक-एफ डॉ. बिलाल हबीब के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने प्रतिभागियों को तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्देश्यों, प्रमुख विषयों और सहयोगी भावना से परिचित कराया। इसके बाद पहला पूर्ण सत्र हुआ, जिसमें आईआईएसईआर त्रिवेंद्रम की प्रोफेसर डॉ. हेमा सोमनाथन ने मधुमक्खियों की संवेदी और संज्ञानात्मक पारिस्थितिकी पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। उनकी प्रस्तुति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मधुमक्खियां कैसे देखती हैं, सीखती हैं और चारा ढूंढती हैं।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि आज जैव विविधता संरक्षण में भारत का नेतृत्व राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर है। इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस के शुभारंभ से लेकर सीओपी28 में हमारे योगदान तक, हम साबित कर रहे हैं कि पारिस्थितिक जिम्मेदारी आर्थिक प्रगति के साथ-साथ चल सकती है। उन्होंने कहा कि मिष्ठी (MISHTI), अमृत धरोहर और ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम जैसी पहल परंपरा, तकनीक और समुदायों में विश्वास पर आधारित विकास मॉडल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

श्री यादव ने कहा कि जैसे-जैसे हम विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहे हैं, आईसीसीओएन जैसे मंच आवश्यक हैं, क्योंकि वे शोधकर्ताओं, वन अधिकारियों और संरक्षणवादियों की अगली पीढ़ी को समाधानों पर पुनर्विचार करने के लिए एक साथ लाते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के विचार यह आकार देंगे कि वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व में कैसे रहा जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार वन्यजीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं। श्री यादव ने कहा कि 2014 में भारत में 47 बाघ अभयारण्य थे और अब 2024 में हमारे पास 58 बाघ अभयारण्य हैं, जिसका अर्थ है कि पिछले 11 वर्षों में प्रति वर्ष एक बाघ अभयारण्य जोड़ा गया है। उन्होंने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आर्द्रभूमि, डॉल्फिन, हाथी, बाघ, स्लोथ भालू के संरक्षण के लिए भी काम कर रही है। मानव वन्यजीव संघर्ष के बारे में बात करते हुए श्री यादव ने 'बाघ अभयारण्य के बाहर बाघ' एक नए प्रकार के संघर्ष की चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार इस चिंता को हल करने के लिए काम कर रही है।

अपने समापन वक्तव्य में श्री यादव ने संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण पर जोर दिया और कहा कि उनका वैज्ञानिक रूप से उपयोग आज की जरूरत है। इसके अलावा श्री सुशील कुमार अवस्थी, वन महानिदेशक और केंद्रीय वन मंत्रालय में विशेष सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि आईसीसीओएन साक्ष्य, समावेशन और संस्थागत ताकत के माध्यम से संरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वीरेंद्र तिवारी, निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान ने अपने संबोधन में कहा कि आईसीसीओएन सिर्फ एक सम्मेलन नहीं है - यह भारत के विकसित संरक्षण, लोकाचार का प्रतिबिंब है. भारतीय वन्यजीव संस्थान की डीन डॉ. रुचि बडोला ने आईसीसीओएन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# डॉ. मुखर्जी ने देश की औद्योगिक नीति तय करने में बड़ी भूमिका निभाई : डॉ निशंक

**हरिद्वार( नवल टाइम्स )।** भाजपा के नेताओं ने जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाते हुए उनके बलिदान को याद किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि उनका अखंड भारत का सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर किया। सोमवार को लक्सर रोड पर हरिद्वार विधानसभा क्षेंत्र में वेलकम फार्म में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाते हुए उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर देशहित में काम करने को आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान के बारे में बताते हुए कहा कि स्वतंत्र देश में कैबिनेट मंत्री के रूप में उन्होंने देश को अपने विजनरी नेतृत्व में लाभान्वित किया। देश की औद्योगिक नीति तय करने में बड़ी भूमिका निभाई। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पांच अगस्त 2019 को कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त हुई। आज जम्मू कश्मीर लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों के साथ भारत के संविधान की भावनाओं के अनुरूप एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पनाओं को साकार कर रहा है। मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि कश्मीर हमारे देश का अभिन्न अंग है और प्रधानमंदी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की नई राह पर है। उन्होंने कहा कि आज देश में हर वर्ग का विकास हो रहा है, सभी देशवासी अपने अधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं, जीवन जीने की नई किरण मिली है, यह सपना डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा था जो आम पूरा हो रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को उनके विजन और बलिदान के बारे में सभी को बताने को आह्वान किया। भाजपा के जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के गठन और वर्तमान स्थिति के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन मास्टर धर्मेंद्र चैहान ने किया। इस मौके पर दर्जाधारी ओमप्रकाश जमदग्नि, कार्यक्रम जिला संयोजक अनिल अरोड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चैहान, चैधरी सत्यकुमार, उप ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र चैधरी, मंडल अध्यक्ष विवेक चैहान, सुशील पंवार, राकेश सैनी, विक्रम चैहान, हरेंद्र प्रधान, सचिन कश्यप, अंकित चैहान, जितेंद्र सैनी, जिला पंचायत सदस्य बृजमोहन पोखरियाल एवं सोहनवीर पाल, नकलीराम सैनी, मिथलेश शर्मा, सीमा चैहान, तेजपाल, बलवंत पंवार, दीपक रावत, चंद्रकिरण, रेणु चैधरी आदि शामिल हुए। वहीं, दूसरी ओर आश्रम में गन्ना समिति के डेलीगेट निर्वाचित होने पर चैधरी सत्यकुमार, रश्मि चैहान को सम्मानित किया। इस मौके पर चैधरी धूम सिंह, धर्मेंद्र चैहान, वरुण चैहान, रीनू चैधरी, चीनू चैधरी, पंकज यादव आदि शामिल हुए।

# बीएचईएल को मिला आईसीएमएआई एक्सेलेन्स इन कॉस्ट मैनेजमेंट अवार्ड

**हरिद्वार( नवल टाइम्स )।** भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को 'मैन्यफैकचरिंग-पब्लिक-मेगा' श्रेणी में प्रतिष्ठित 'आईसीएमएआई नेशनल अवार्ड फॉर एक्सेलेन्स इन कॉस्ट मैनेजमेंट अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार के निदेशक (वित्त) श्री राजेश कुमार द्विवेदी ने श्री भर्तृहरि महताब, माननीय सांसद, लोकसभा और वित्त संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष से विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्राप्त किया। लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए यह राष्ट्रीय पुरस्कार भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई) द्वारा लागत प्रबंधन में असाधारण पेशेवर विशेषज्ञता और अभिनव उपकरणों और तकनीकों को लागू करने में उत्कृष्ट नेतृत्व को मान्यता देने के लिए प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार का उद्देश्य भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर लागत प्रबंधन पद्धतियों की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों को सम्मानित करना है। यह उपलब्धि बीएचईएल के लिए एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है, क्योंकि यह प्रतिष्ठित मान्यता सतत विकास और परिचालन उत्कृष्टता के लिए लागत प्रबंधन को एक रणनीतिक आधारशिला के रूप में शामिल करने के लिए बीएचईएल की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्नत लागत प्रबंधन प्रथाओं का लाभ उठाकर, बीएचईएल रणनीतिक निर्णय लेने को मजबूत करना, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करना और परिचालन प्रदर्शन को बढ़ाना जारी रखता है। यह पुरस्कार न केवल लागत नवाचार में कंपनी की उपलब्धियों को सम्मानित करता है, बल्कि सभी हितधारकों के लिए रणनीतिक लागत प्रबंधन, कॉर्पोरेट प्रशासन, पारदर्शिता और दीर्घकालिक मूल्य सृजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी करता है।

# सीडीओ ने ली ग्राम पंचायतों में कूड़ा प्रबंधन के संबंध में बैठक

**हरिद्वार( नवल टाइम्स )।** मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में ग्रामीण क्षेत्रें में ठोस कूड़ा प्रबंधन से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला पंचायत राज अधिकारी हरिद्वार, समस्त खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, ब्लॉक मिशन प्रबंधक सहित प्रत्येक विकासखंड से चयनित पांच-पांच ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों ने प्रतिभाग किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर ठोस कूड़ा प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार करना एवं उसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु रणनीति तय करना था। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे द्वारा ग्राम प्रधानों से उनके ग्राम पंचायतों में वर्तमान में किए जा रहे कूड़ा प्रबंधन कार्यों की जानकारी ली गई और उनसे विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि समस्त ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से घर-घर जाकर कूड़ा एकत्रीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए खंड विकास अधिकारी एवं ब्लॉक मिशन प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि वे ग्राम प्रधानों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक योजना बनाएं और शीघ्रता से कार्य प्रारंभ करें। इस प्रक्रिया में ग्राम स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे ताकि ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे मिलकर इस अभियान को सफल बनाएं ताकि स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ गांव की संकल्पना को साकार किया जा सके।

# मेयर किरण जैसल ने लघु व्यापारियों को लाइसेंस व परिचय पत्र किए आवंटित

**हरिद्वार( नवल टाइम्स )।** लघु व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चोपड़ा के संयोजन में मेयर किरण जैसल ने शिव पुल, दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग मार्ग के लघु व्यापारियों को लाईसेंस व परिचय पत्र आंवटित किए हैं। इस अवसर पर मेयर किरण जैसल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अनुसार रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स और लघु व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर सामाजिक सुरक्षा प्रदान किए जाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के अनुसार वर्ष 2018 की सर्वे सूची में सम्मिलित सभी पंजीकृत रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को दूसरे चरण में आगामी कावड़ मेले के दृष्टिगत नगर निगम प्रशासन की ओर से विक्रय प्रमाण परिचय पत्र कारोबारी लाईसेंस आवटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आगामी बोर्ड बैठक में लघु व्यापारियों को मुख्य धारा में लाने के लिए प्रस्ताव लाए जाएंगे।

लघु व्यापारी ऐसोसिएशन. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कि नगर निगम प्रशासन की ओर से लगभग 50 से 60 लघु व्यापारियों को विक्रय प्रमाण परिचय पत्र लाईसेंस विक्रय प्रमाण पत्र मुहैया कराया जाना सार्थक प्रक्रिया है। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त महेंद्र यादव सहित अधिकारी कर्मचारी शामिल और कमल सिंह, अजय कुमार, अनुष त्रिवेदी, करण सिंह, पवन शर्मा, रिंकू यादव, सचिन बिष्ट, सुभाष दास, सतीश कुमार, शुभम कुमार, बृज किशोर, जमुना प्रसाद, चंदनदास, राधेश्याम रावत, अनीता, पूनम, सुनीता, आशा, सुमन आदि लघु व्यापारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

# संघ प्रांत प्रभारी ने की बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार प्रवासियों से चर्चा

**हरिद्वार।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत संघ प्रांत प्रभारी राकेश मिश्रा ने मध्य हरिद्वार स्थित होटल में बैठक कर आगामी बिहार चुनाव को लेकर बिहार के प्रवासी लोगों से चर्चा की। गयी। बैठक में मुख्य वक्ता प्रांत मीडिया पैनलिस्ट प्रभा बंदूनी कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व से सभी को अवगत कराया। बैठक में प्रदेश प्रभारी बिहार के राज्यमंत्री जीवन कुमार, जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा, प्रदेश संयोजक किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला एवं संघ प्रांत प्रभारी राकेश मिश्रा की सहमति से भाजपा महिला मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी रंजिता झा को जिला कार्यकारिणी संयोजक एवं रश्मि झा, ज्ञान प्रकाश सिंह व सचिन चौधरी को सह संयोजक मनोनीत किया गया। शिव मंदिर समिति शिवालिक नगर के सचिव शशि भूषण पांडे को रानीपुर विधानसभा क्षेत्र संयोजक एवं राजनाथ यादव, दिनेश पाल, रमेश पाठक तथा वरुण शुक्ला को सहसंयोजक नियुक्ति किया गया। शिवम मिश्रा मध्य हरिद्वार विधानसभा क्षेत्र संयोजक मनोनीत किए गए। जिला कार्यकारिणी संयोजक रंजीता झा ने बताया कि जल्द ही ज्वालापुर, हरिद्वार ग्रामीण एवं लक्सर विधानसभा क्षेत्र संयोजक एवं सहसंयोजकों की नियुक्ति की जाएगी। बैठक में कृष्ण झा, कृष्ण कुमार, रंजना राय आदि मौजूद रहे।

**कानूनी सलाहकार**
**एड. अनुज कुमार शर्मा**
**चैम्बर नं. 20, रोशनाबाद**
**हरिद्वार (उत्तराखंड)**
**मो. 9837387718**

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजीव शर्मा ने किरण ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, निकट गुरूकुल कांगड़ी फार्मेसी, कनखल, हरिद्वार (उत्तराखंड) से छपवाकर, म.नं. डी-31/2 आदर्शनगर कालोनी, गोल गुरूद्वारा, सेंटमेरी स्कूल के पीछे, ज्वालापुर हरिद्वार (उत्तराखंड) से प्रकाशित किया।

: सम्पादक :
संजीव शर्मा
मो. 8057605991/9897106991
ईमेलः navaltimes@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा

**प्रबंध संपादक**
**डा. संदीप भारद्वाज**
**बिजनौर प्रभारी**
**विशाल शर्मा**

**सभी पद अवैतनिक हैं**